पाठ 24

भारत की प्राकृतिक वनस्पति एवं जीव-जन्तु

आइए सीखें

- भारत की प्राकृतिक वनस्पति के विभिन्न प्रकार कौन-कौन से हैं?
- भारत में वनों का क्षेत्रीय वितरण कैसा है?
- भारत में वन्य जीवन और उनके क्षेत्रीय वितरण को जानना
- प्रमुख भारतीय राष्ट्रीय उद्यानों के नाम व उनकी स्थिति।

जलवायु की दशाओं और प्राकृतिक वनस्पति में घनिष्ट संबंध पाया जाता है। **विविध प्रकार के वन, घास भूमियों और झाड़ियों को प्राकृतिक वनस्पति कहते हैं।** हिमालय पर्वतीय प्रदेश को छोड़कर हमारे देश की वनस्पति को चार प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है-

1. उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वन
2. उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन
3. कंटीले वन तथा झाड़ियां
4. ज्वारीय वन

1. उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वन

हमारे देश में उष्ण तथा आर्द्र जलवायु दशाओं वाले प्रदेश में जहां 200 से.मी. से अधिक औसत वर्षा होती है सदा हरित वनस्पति पाई जाती है।

क्षेत्र- इस प्रकार के वन पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढालों, पश्चिमी बंगाल के मैदानों, उड़ीसा, उत्तर-पूर्वी भारत और अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह में पाए जाते हैं।

विशेषताएं-

- इन वनों के वृक्षों की पत्तियां बड़ी मोटी और चिकनी होती हैं।
- वृक्षों की ऊँचाई अधिक होती हैं।
- विविध प्रकार के वृक्ष एक साथ मिलते हैं।
- ये वन घने और सदा हरे-भरे रहते हैं।

मुख्य वृक्ष- आबनूस, महोगनी, रोजवुड, बांस, नारियल, ताड़, रबर आदि।

2. उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन

जिन भागों में 75 से 200 से.मी. वर्षा होती है उन क्षेत्रों में प्रमुख रूप से पर्णपाती वन पाए जाते हैं। इन्हें मानसूनी वन भी कहते हैं। इनको दो उपवर्गों में विभाजित किया जा सकता है- (1) आर्द्र पर्णपाती वन तथा (2) शुष्क पर्णपाती वन। पश्चिमी घाट के पूर्वी ढालों पर प्रायद्वीप के उत्तर पूर्वी भागों में, शिवालिक पहाड़ियों पर आर्द्र पर्णपाती वन मिलते हैं जबकि शुष्क पर्णपाती वनों का विस्तार भारत के बहुत बड़े क्षेत्र में है।

विशेषताएं-

- वृक्ष मध्यम ऊँचाई के होते हैं।
- वर्ष में एक बार ये वृक्ष अपनी पत्तियां गिरा देते हैं। केवल आर्द्र पर्णपाती वनों के वृक्षों में यह क्रिया वर्ष भर चलती रहती है।
- एक ही जाति के वृक्ष एक साथ एक ही क्षेत्र में मिलते हैं. ये बहुत उपयोगी वन है।

मुख्य वृक्ष- सागौन, साल, शीशम, चन्दन आदि।

3. कंटीले वन तथा झाड़ियाँ-

जिन भागों में 75 से.मी. से कम वर्षा होती है वहां इन वनों का विस्तार है।

क्षेत्र- देश के उत्तर-पश्चिमी भाग, पश्चिम मध्यप्रदेश, राजस्थान, सौराष्ट्र, बुन्देलखंड और हरियाणा।

विशेषताएं-

- अधिकांश वृक्षों में कांटे होते हैं।
- वृक्षों की ऊँचाई कम होती है।
- वृक्ष दूर-दूर होते हैं।
- पत्तियां छोटी और जड़ें लंबी होती है।

प्रमुख वृक्ष- कीकर, बबूल, खैर, खजूर, बेर, नागफनी और कंटीली झाड़ियां।

4. ज्वारीय वन

समुद्र तट के सहारे नदियों के डेल्टाओं में ज्वारीय वन पाए जाते हैं। ये खारे व ताजे पानी में एक साथ पनपते हैं। सुन्दरवन इसका बड़ा क्षेत्र है। ये वन पश्चिम बंगाल में गंगा के मुहाने पर पाए जाते हैं। मैंग्रोव और सुन्दरी मुख्य वृक्ष है। ज्वार आने पर समुद्र का खारा जल इन वनों में भर जाता है, और भाटा आने पर पानी उतर जाता है जिससे यहाँ की भूमि दलदली रहती है। ये वर्षभर हरे-भरे और घने होते हैं।

पर्वतीय वनस्पति पेटियां- हिमालय की तलहटी से लेकर ऊंचाई तक विभिन्न प्रकार की वनस्पतियां पाई जाती हैं। ऊँचाई के अनुसार इनको निम्न पेटियों में विभाजित किया गया-

(अ) आर्द्र पर्वतीय वन- सदाबहार चौड़ी पत्ती वाले वृक्ष मिलते हैं। ओक, चेस्टनट मुख्य वृक्ष हैं।

(ब) समशीतोष्ण कटिबन्धीय चीड़ के वन- उत्तरी-पूर्वी भारत में ऊँचाई पर जहां अधिक वर्षा होती है, ये वन पाए जाते हैं। चीड़ मुख्य वृक्ष है।

(स) शंकुधारी वन- 1600 से 3500 मीटर ऊंचाई पर शंकुधारी वन पाए जाते हैं, जिनमें चीड़, सीडर, सिल्वर-फर, स्प्रूस और देवदार के वृक्षों की प्रधानता है।

(द) अल्पाइन वन- सबसे अधिक ऊँचाई पर शीतोष्ण शंकुधारी वन पाए जाते हैं। वृक्षों की पत्तियां नुकीली शाखाएं झुकी हुई होती है। सिल्वर फर, चीड़, बर्थ, झाड़ियाँ व घास भूमिया पाई जाती हैं। हिमालय की ऊँची ढलाने जाड़े में हिम से ढकी रहती हैं। फरवरी-मार्च में जब हिम पिघलती है तो यहाँ घास उगती है। इन्हें 'बुग्याल' कहते हैं।

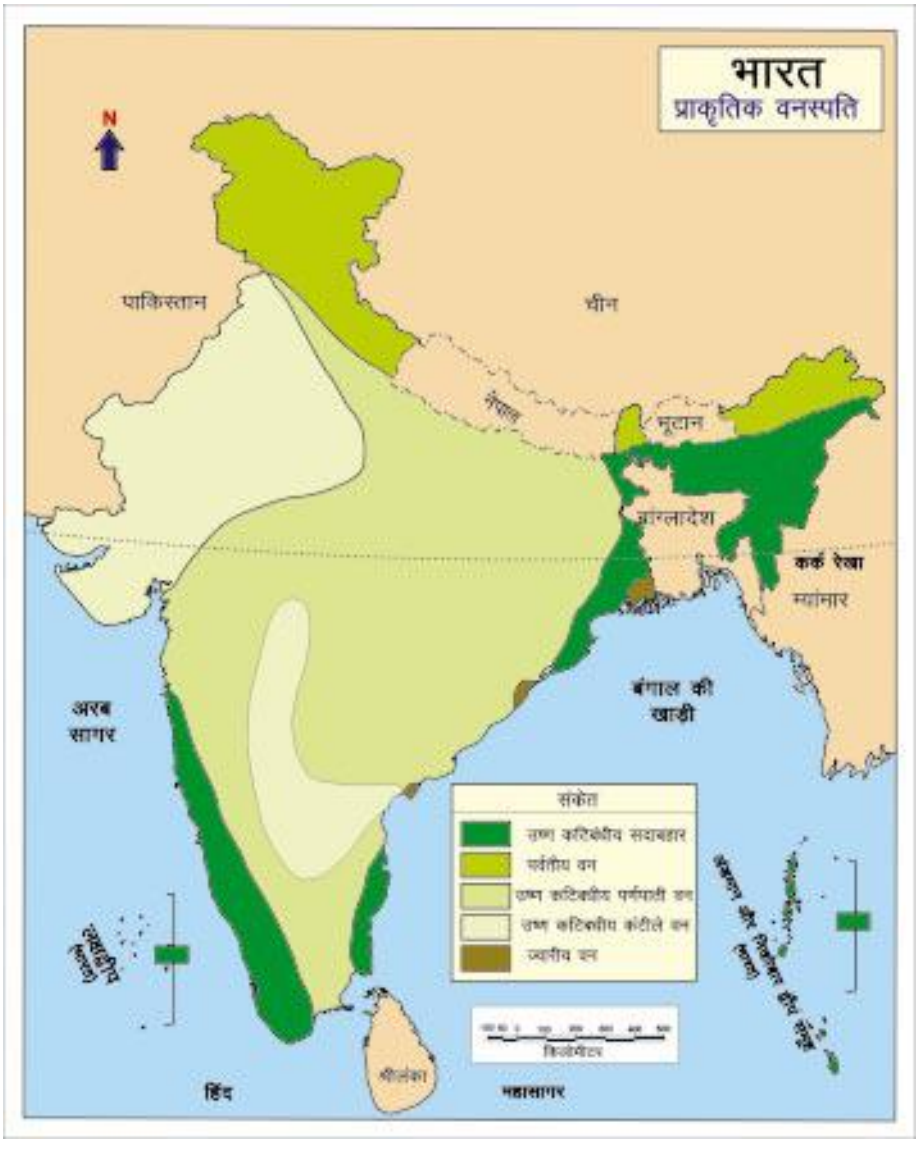

जीवजन्तु

भारत में जितनी विविधता वनस्पति में पाई जाती है उतनी ही विविधता जीव जन्तुओं में भी पाई जाती है। वनस्पति जगत से प्राप्त भोजन या ऊर्जा पर ही जीव जन्तुओं का जीवन निर्भर है। अलग-अलग वनस्पति प्रदेशों में अलग-अलग जीव जन्तु पाए जाते हैं। ऊँचे पर्वतीय भागों में याक, मरुस्थलों में ऊँट, कच्छ के रन में जंगली गधे, पर्वतीय ढालों और दलदली भागों में गेंडे, गिर के वनों में सिंह और असम, केरल और कर्नाटक में हाथी, पर्वतीय ढालों की घास भूमियों में भेड़-बकरी, पतझड़ वनों में विविध प्रकार के हिरण, जंगली भैंसे, नीलगाय, तेन्दुआ, विभिन्न प्रकार के बन्दर आदि मिलते हैं। बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु तथा मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। हमारे देश में अनेक प्रकार के रंग-बिरंगे पक्षी भी पाए जाते हैं।

वन्य जीवों को संरक्षण प्रदान करने के लिए हमारे देश के विविध भागों में राष्ट्रीय उद्यान, वन्य प्राणी अभयारण्य और चिड़िया घर बनाए गए हैं। जिनमें कान्हा-किसली (मध्यप्रदेश), कांजीरंगा (असम) गिर (गुजरात), कार्बेट (उत्तराखंड) बांधवगढ़ (मध्यप्रदेश) पेरियर (केरल) रणथम्भौर (राजस्थान) आदि प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य हैं।

- भारत में चार प्रकार की वनस्पति पाई जाती है- ऊष्ण कटिबंधीय वर्षा वन, उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन, कंटीले वन तथा झाड़ियां एवं ज्वारीय वन।
- विभिन्न प्रकार के वन, घास भूमियाँ और झाड़ियों को प्राकृतिक वनस्पति कहते हैं।
- भारत के विभिन्न भागों में शेर, तेन्दुए, हाथी, ऊँट, याक, गेंडे, जंगली भैंसे, हिरण, लंगूर, बंदर, सूअर आदि वन्य जीव तथा हजारों प्रकार के रंग-बिरंगे पक्षी पाए जाते हैं।
- बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु तथा मोर राष्ट्रीय पक्षी है।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्न प्रश्न के उत्तर दीजिए-

(अ) प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते हैं?

(ब) मानसूनी वनों की दो विशेषताएं लिखिए।

(स) भारत में पाये जाने वाले वनों का वर्णन कीजिए।

(द) पर्वतीय वनों की पेटियों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(य) 'वनों का महत्व' विषय पर संक्षिप्त निबंध लिखिए।

2. निम्नलिखित दो समूहों की आपस में सही जोड़ी बनाइए-

	अ. वनस्पति के प्रकार	ब. मुख्य वृक्ष
(अ)	उष्ण कटिबन्धीय सदाहरित वन	सुन्दरी वृक्ष
(ब)	उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन	चीड़ के वृक्ष
(ग)	कटीले वन तथा झाड़ियाँ	सागौन वृक्ष
(घ)	ज्वारीय वन	बबूल वृक्ष
(प)	पर्वतीय वन	महोगनी वृक्ष

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(अ) हमारा राष्ट्रीय पशु ..... है।

(ब) हमारा राष्ट्रीय पक्षी ..... है।

(स) भारत में पाये जाते हैं ज्वारीय वन ..... है।

(द) गिर के वनों में ..... पाया जाता है।

(इ) मरूस्थल का मुख्य पशु ..... है।

4. निम्नलिखित में अन्तर बताइये-

(अ) सदाबहार वन और पर्णपाती वन

(ब) कंटीले वन और ज्वारीय वन

5. भारत के मानचित्र में निम्नलिखित की स्थिति दर्शाइए-

कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, गिर राष्ट्रीय उद्यान, रणथम्बोर पक्षी अभयारण्य,ज्वारीय वन।

प्रोजेक्ट कार्य

- भारत में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के वन्य पशु तथा पक्षियों के चित्रों का संग्रह कीजिए।
- अपने जन्म दिन पर या किसी उत्सव पर कम से कम एक पौधा लगाकर और उस पर अपने नाम का पट्टिका लगाएँ।

❖❖❖❖